Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-I (W. Champaran)

Geography (Hons.) B.A. Part-I.

Peper - ~~II~~ I

Topic: कोपेन का जलवायु वर्गीकरण

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
B.R.A. Bihar University, Muz.

...जलवायु के उपर्युक्त समूहों को पुनः वर्षा के मौसमी वितरण के आधार पर उपसमूहों में विभाजित किया है। इसके लिए उपरोक्त अक्षरों के साथ अन्य अक्षरों का प्रयोग किया है जो निम्नलिखित हैं:

(i) S = अर्द्ध शुष्क (स्टेपी)
(ii) W = शुष्क (मरुस्थल) } इसका प्रयोग B समूह के साथ

(iii) T = टुंड्रा तुल्य जलवायु
(iv) F = हिमाच्छादित जलवायु } इसका प्रयोग E प्रकार के साथ

चित्र : विश्व जलवायु वर्गीकरण (कोपेन)

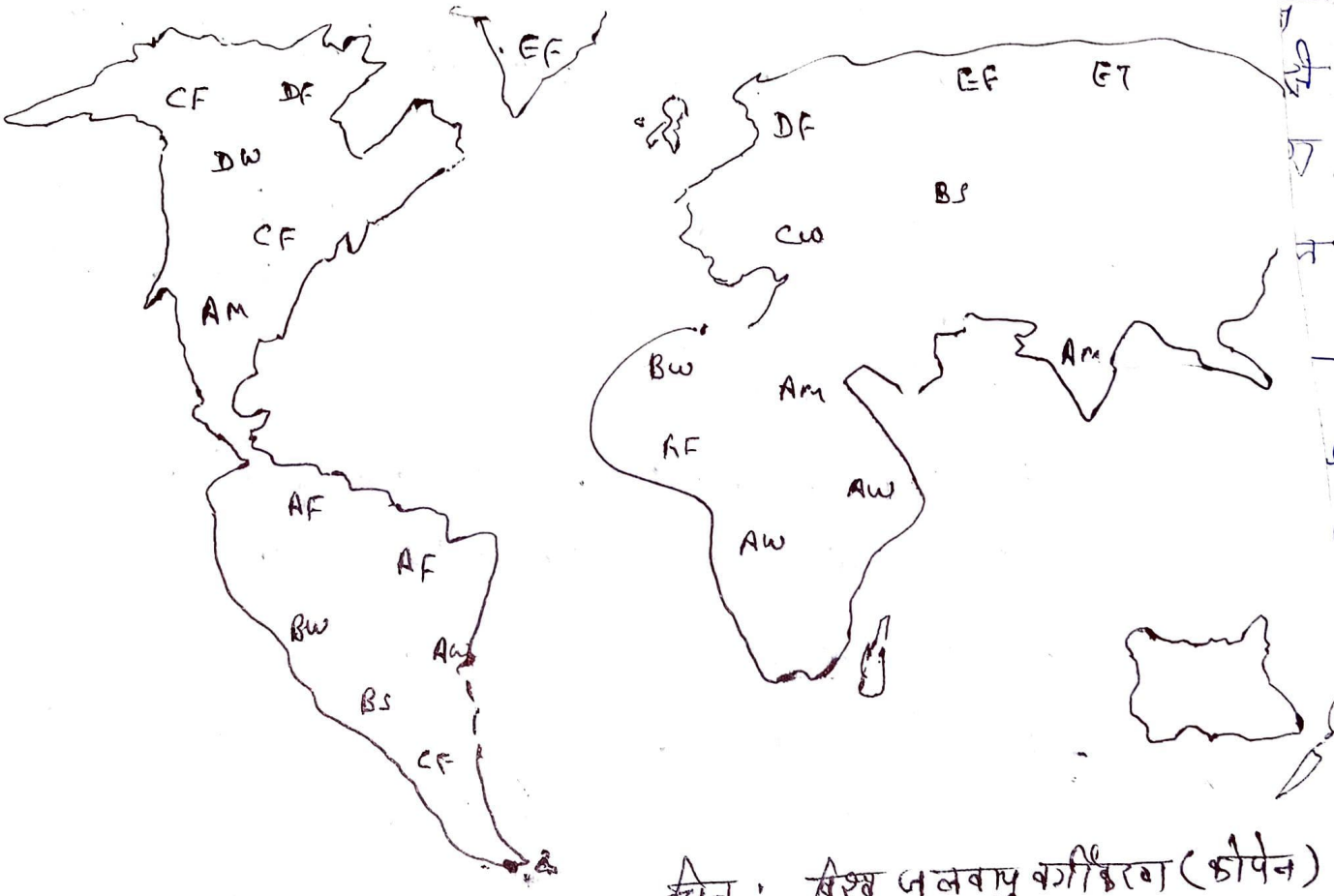

कोपेन ने प्रथम जलवायु प्रदेशों को पुनः उपविभाजित किया, A प्रकार की जलवायु को उन्होंने तीन उपवर्गों AF, AM, AW में ब...

AF जलवायु विशेषताएँ — यह विषुवतीय जलवायु का द्योतक है। अमेजन बेसिन, जायरे बेसिन, द० पू० एशिया की विशेषताएं हैं। यहां सालोभर उच्च तापमान एवं भारी वर्षा इसकी विशेषताएं

है। की जलवायु मानसूनी जलवायु का द्योतक है। यह मुख्यतः दक्षिण एवं एशिया, पूर्वी एशिया के महाद्वीपीय प्रदेश, मोजाम्बिक, मेडागास्कर, अफ्रीकी हार्न का क्षेत्र, अरब प्रायद्वीप का दक्षिण पूर्वी क्षेत्र, आस्ट्रेलिया का उत्तरी पूर्वी क्षेत्र और मध्य अमेरिका में देखने को मिलता है।

Aw प्रकार की जलवायु सवाना जलवायु विशेषताओं का द्योतक है। यहाँ अधिकतर वर्षा ग्रीष्म ऋतु में होता है लेकिन वर्षा की मात्रा कम होने के कारण सवाना घास के मैदान का विकास हुआ है। यह जलवायु प्रदेश अफ्रीका महाद्वीप में AF के उत्तर, दक्षिण एवं पूर्व में मिलता है। दक्षिण अमेरिका में ब्राजील और वेनेजुएला के पठारी क्षेत्र में तथा आस्ट्रेलिया के उत्तरी राज्यों में देखने को मिलता है।

B प्रकार की जलवायु BW और BS में विभक्त किया जाता है। दोनों ही प्रकार की जलवायु में वर्षा की मात्रा सामान्यतः 50 cm से कम होता है परन्तु तापीय प्रभाव की भिन्नता के कारण उनके वनस्पति अलग-अलग होते हैं वनस्पति की विविधता ही इसके वर्गीकरण का आधार है।

BW प्रकार की जलवायु मरुस्थलीय जलवायु का द्योतक है। यहां भी गर्मी ऋतु के तापमान 40°C से अधिक होता है सामान्य वर्षा 30cm से कम होता है। वार्षिक वर्षा का 70% से अधिक भाग गर्मी ऋतु के अंतिम समय में होता है। ग्रीष्म ऋतु में तीव्र तापमान के कारण वनस्पति विकास में अपना प्रभाव नहीं डाल पाता है।

विश्व के समस्त गर्म मरुस्थल जैसे सहारा, थार, अरब प्रायद्वीपीय का मरुस्थल इसका उदाहरण है।

BS प्रकार की जलवायु स्टेपी जलवायु का द्योतक है जो शीतोष्ण मरुस्थल की विशेषता है। यद्यपि वर्षा कम भी होता है लेकिन कम तापीय प्रभाव होने के कारण यह वनस्पति के विकास में सहायक होता है और स्टेपी घास के मैदान का विकास हुआ। विश्व के समस्त शीतोष्ण मरुस्थल जैसे मध्य एशिया, अर्जेन्टीना पैटागोनिया इसका उदाहरण है।

C प्रकार की जलवायु को CF, CW और CS में उपविभाजित करता है

CF प्रकार की जलवायु पछुआ हवा के अस्थायी आने वाली तटवर्ती प्रदेश की विशेषता है। समुद्र से आने वाली पछुआ हवा जलवाष्प युक्त होता है जो तटवर्ती प्रदेश में सालोंभर वर्षा करता है। पश्चिम यूरोप, कनाडा का तटवर्ती क्षेत्र और उत्तर पश्चिम यूरोप, दक्षिण चिली में यह जलवायु विशेषताएं पाई जाती है।

CW प्रकार की जलवायु शीतोष्ण अक्षांश में महाद्वीपों के आंतरिक भाग की जलवायु विशेषताएं है। ... चक्रवात के ... जलवायु मूलतः वर्षा गर्मी के ऋतु में होता है।